भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1970 का उत्तर

तिरुवल्ला रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

1970. श्री एंटो एन्टोनी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केरल में तिरुवल्ला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस संबंध में रेलवे द्वारा किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त स्टेशन के सामने सड़क को चौड़ा करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): केरल में स्थित तिरुवल्ला स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। तिरुवल्ला स्टेशन के विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। तिरुवल्ला स्टेशन पर संपन्न किए गए कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन भवन और कान्कोर्स का सुधार**
- **नया प्रवेश द्वार मेहराब और प्रांगण**
- **प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म के सतह संबंधी प्रावधान**
- **प्रतीक्षालय का सुधार**

- बुकिंग कार्यालय का सुधार
- परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और पहुंच मार्ग का सुधार
- दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान
- संकेतकों, जन सूचना प्रणाली, सवारी डिब्बा निर्देशक बोर्ड और प्रकाश की व्यवस्था का प्रावधान

इसके अलावा, तिरुवल्ला स्टेशन पर 6 मीटर ऊपरी पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

तिरुवल्ला स्टेशन के सामने से गुजरने वाली मौजूदा सड़क स्टेशन की वर्तमान जरूरतों के पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण निरन्तर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/ उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/स्टेशन में संभाले जाने वाला यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में मास्टर प्लान तैयार करना तथा उनका चरणबद्ध क्रियान्वयन कर स्टेशनों का उन्नयन शामिल है। मास्टर पलान में निम्न शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें तिरुवल्ला सहित 35 स्टेशन केरल में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए केरल राज्य में चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं :

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, अंगमालि कालडि, चालक्कुडि, चंगनाशेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीष़, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवायूर, कण्णूर, कासरगोड, कायमकुलम जं., कोल्लम जं., कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोरणूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम सैंट्रल, तृश्शूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकरा, वर्कला शिवगिरी, वडकांचेरी

केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। अब तक इस योजना के तहत केरल राज्य के 7 स्टेशनों (चालक्कुडि, चान्गनाशेरी, चिरयिनकीष, कुट्टीपुरम, षोरणूर जंक्शन, वडकरा, वडकांचेरी) का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और उपरोक्त स्टेशनों में से कुछ की प्रगति नीचे दी गई है:

- तृप्पुणित्तुरा स्टेशन : स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह का सुधार कार्य, प्रतीक्षालय, शौचालय, पोर्टिको, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, दिव्यांगजन सुविधाएँ तथा पार्किंग क्षेत्र का कार्य पूरा किया जा चुका है। फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।
- अंगमालि (कालडि): स्टेशन भवन का सुधार कार्य, पोर्टिको, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म के सतह का सुधार कार्य, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र तथा दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा किया जा चुका है। फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।
- फ़रोक स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, नए बरामदे, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, बुकिंग कार्यालय का सुधार कार्य, कान्कोर्स, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य,

पार्किंग क्षेत्र तथा दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।

- निलंबूर रोड स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, नए बरामदे, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, बुकिंग कार्यालय का सुधार कार्य, कान्कोर्स, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग क्षेत्र तथा दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा किया जा चुका है। फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथों और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आवंटन और उपयोग का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है। यात्री सुविधाओं को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। केरल राज्य दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इस जोन के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,125 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है जिसमें से अब तक 892 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

******